पृष्ठ : 04
स्थापित : 2008
संस्थापक: स्व. बी. शंकर
27 जून 2025, शुक्रवार
संपादक: गंगा असनोड़ा: 9412079290

सरोकारों से साक्षात्कार

रीजनल रिपोर्टर

श्रीनगर (गढ़वाल), उत्तराखण्ड से प्रकाशित, साप्ताहिक आर.एन.आई.नं: UTTHIN/2008/24749, वर्ष: 16, अंक: 50, मूल्य: 10

रूद्रप्रयाग के घोलतीर में हुआ भयावह बस हादसा

रीजनल रिपोर्टर ब्यूरो

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में 26 जून को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर घोलतीर के पास एक टेंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर उफनती अलकनंदा नदी में गिर गया। वाहन में चालक समेत कुल 20 लोग सवार थे। इस वाहन में उदयपुर राजस्थान व गुजरात का सोनी परिवार चारधाम यात्रा पर आया हुआ था।

प्रात: काल लगभग 08:00 बजे सूचना प्राप्त हुई कि रुद्रप्रयाग के घोलतीर के निकट स्टेट बैंक मोड़ के पास एक वाहन संख्या यूके08पीए7444 दुर्घटनाग्रस्त होकर हाईवे से सीधे खाई में गिरकर अलकनन्दा नदी में चला गया है। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और नौ लोगों का रेस्क्यू किया गया। लापता यात्रियों के लिए नदी में सर्च ऑपरेशन जारी है।

वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने तथा नदी में समाने से पूर्व इस वाहन में सवार कुछ व्यक्ति, जो कि छिटक गये थे, को रेस्क्यू कर टीमों द्वारा स्थानीय लोगों की मदद से ऊपर सड़क पर लाया गया। इन घायल व्यक्तियों को तत्काल जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग भिजवाया गया।

एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू अभियान चल रहा है।

हालांकि, अलकनंदा नदी का तेज बहाव राहत कार्य को बाधित कर रहा है।

जिसे भी हादसे की जानकारी मिली, वह सहम गया। हादसे में अभी भी 7 यात्रियों की कोई खबर नहीं है, जिनकी तलाश में राहत-बचाव दल जुटे हुए हैं। हादसे में घायल लोगों को रुद्रप्रयाग जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने घायलों का हालचाल जाना और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिया। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री धामी ने जताया शोक

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा है- "जनपद रुद्रप्रयाग में एक टेंपो ट्रैवलर के नदी में गिरने का समाचार अत्यंत दु:खद है। एसडीआरएफ सहित अन्य बचाव दलों द्वारा युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य किया जा रहा है। इस संबंध में निरंतर स्थानीय प्रशासन से संपर्क में हूं। ईश्वर से सभी के सकुशल होने की प्रार्थना करता हूं।"

रुद्रप्रयाग जिला अस्पताल में घायलों का इलाज कर रहे डॉक्टर प्रवीण का कहना है कि अभी तक अस्पताल में सात लोगों को लाया गया है। सभी की हालत फिलहाल ठीक है। सभी का इलाज चल रहा है। 3 लोगों की मौत हो चुकी है। आपको बता दें कि यह मिनी बस हादसा आज सुबह ही हुआ है। मौके पर तमाम राहत और बचाव कार्य में लगी एजेंसियां पहुंच चुकी हैं। जिलाधिकारी और एसपी भी मौके पर पहुंचे। ■■■

हादसे के तीर्थयात्रियों का विवरण

1-दीपिका सोनी, निवासी सिरोही मीना वास, राजस्थान उम्र 42 वर्ष।
2-हेमलता सोनी, निवासी प्रताप चौक, गोगुण्डा गोगुण्डा, राजस्थान, उम्र 45 वर्ष।
3-ईश्वर सोनी, निवासी ई 202 पर्वत सिलिकश्वन पैलेस, नियर अर्चना स्कूल, गुजरात उम्र 46 वर्ष।
4-अमिता सोनी, निवासी 701 702 बिल्डिंग नं. 3 मीरा रोड, महाराष्ट्र, उम्र 49 वर्ष।
5-सोनी भावना ईश्वर, निवासी ई 202 पर्वत सिलिकॉन पैलेस, नियर अर्चना स्कूल, गुजरात, उम्र 43 वर्ष।
6-भव्य सोनी, निवासी ई 202 सिलिकॉन पैलेस, बाम्बे मार्केट, नियर अर्चना स्कूल, गुजरात, उम्र 07 वर्ष।
7-पार्थ सोनी, निवासी वार्ड नं. 11, राजगढ़, वीर सावरकर मार्ग ग्राम राजगढ़ मध्य प्रदेश, उम्र 10 वर्ष।
8-सुमित कुमार (चालक), पुत्र नरेश कुमार, निवासी बैरागी कैम्प, हरिद्वार, उम्र 23 वर्ष।

मृतकों का विवरण

1- विशाल सोनी, निवासी राजगढ़, मध्य प्रदेश, उम्र 42 वर्ष।
2- ड्रिमी, निवासी ई 202 पर्वत सिलिकॉन पैलेस, आईमाता चौक सूरत, गुजरात, उम्र 17 वर्ष।

लापता व्यक्तियों का विवरण

1-रवि भवसार, निवासी उदयपुर, शास्त्री सर्किल, राजस्थान, उम्र 28 वर्ष।
2-मौली सोनी, निवासी एफ 601 सिलिकॉन पैलेस बाम्बे मार्केट, पूना कुभंरिया रोड गुजरात, उम्र 19 वर्ष।
3-ललित कुमार सोनी, निवासी प्रताप चौक गोगुण्डा, राजस्थान, उम्र 48 वर्ष।
4-गौरी सोनी, निवासी वीर सावरकर मार्ग, वार्ड नं. 12 राजगढ़ राजगढ़, तहसील सदरपुर, मध्य प्रदेश, उम्र 41 वर्ष।
5-संजय सोनी, निवासी उदयपुर, शास्त्री सर्किल राजस्थान, उम्र 55 वर्ष।
6-मयूरी, निवासी सूरत, गुजरात, उम्र 24 वर्ष।
7-चेतना सोनी, निवासी उदयपुर राजस्थान, उम्र 52 वर्ष।
8-चेष्ठा, निवासी ई 202 पर्वत सिलिकॉन पैलेस, आईमाता चौक सूरत, गुजरात, उम्र 12 वर्ष।
9-कट्टा रंजना अशोक, निवासी थाणे मीरा रोड, महाराष्ट्र, उम्र 54 वर्ष।
10-सुशीला सोनी, निवासी शास्त्री सर्किल, उदयपुर, राजस्थान, उम्र 77 वर्ष।

बस चालक ने बताया हादसे का कारण

बस चालक सुमित ने किया हादसे के कारण का खुलासारू चालक सुमित का कहना है कि बदरीनाथ दर्शन करने जाना था। केदारनाथ के दर्शन करने के बाद रात में रुद्रप्रयाग में रुके थे। वे सुबह-सुबह बदरीनाथ के लिए निकले थे, इसी दौरान पीछे से आ रहे एक ट्रक ने जोरदार टक्कर मारी। टक्कर से बस सीधे अलकनंदा नदी में समा गया। कुछ लोग गाड़ी के अनियंत्रित होने से पहले बाहर निकले जो थोड़े बहुत घायल हुए हैं। सुमित ने बताया कि यात्रियों को हरिद्वार के बैरागी कैंप से बदरीनाथ और केदारनाथ की यात्रा पर वह लेकर आए थे। ■■■

कुंज बिहारी नेगी गढ़वाल विश्वविद्यालय के निर्माता

शीशपाल गुसाई

पौड़ी गढ़वाल की पावन धरती ने एक ऐसे सपूत को अलविदा कहा, जिसने अपनी जिंदगी के हर पल को इस क्षेत्र की शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उन्नति के लिए समर्पित कर दिया।

कुंज बिहारी नेगी, जिनका बुधवार शाम को निधन हो गया, न केवल गढ़वाल विवि के निर्माण के आंदोलन के एक प्रमुख योद्धा थे, बल्कि पौड़ी और समूचे गढ़वाल के सामाजिक-राजनीतिक परि श्य को आकार देने वाले एक दृढ़ निश्चयी नेता भी थे। उनकी अथक मेहनत, अटूट समर्पण और विपरीत परिस्थितियों में भी हार न मानने की भावना ने उन्हें गढ़वाल की जनता के दिलों में एक अमर नायक बना दिया।

गढ़वाल विवि का निर्माण केवल एक शैक्षिक संस्थान की स्थापना नहीं थाय यह गढ़वाल के लोगों की आकांक्षाओं, उनकी सांस्कृतिक पहचान और शैक्षिक प्रगति का प्रतीक था। इस सपने को साकार करने में कुंज बिहारी नेगी की भूमिका निर्विवाद रूप से महत्वपूर्ण थी।

स्वामी मनमंथन के साथ मिलकर उन्होंने इस आंदोलन को न केवल नेतृत्व प्रदान किया, बल्कि इसे जन-जन का आंदोलन बनाया। यह आंदोलन केवल दीवारें और भवन खड़े करने का प्रयास नहीं था, बल्कि गढ़वाल के युवाओं को शिक्षा का प्रकाश देने और उनकी आकांक्षाओं को पंख प्रदान करने का संकल्प था।

इस आंदोलन के दौरान कुंज बिहारी नेगी को असंख्य कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कानूनी कार्रवाइयों और सामाजिक दबावों ने उनके मार्ग को और कठिन बना दिया। उन्होंने 14 दिन पौड़ी जेल में, 67 दिन रामपुर जेल में और एक माह पुन: पौड़ी जेल में कठोर कैद की सजा भुगती।

आठ वर्षों तक कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाए, लेकिन उनकी आत्मा कभी टूटी नहीं। उनकी यह दृता और समर्पण गढ़वाल विवि के निर्माण की नींव में एक मजबूत स्तम्भ बनकर उभरी।

कुंज बिहारी नेगी का प्रभाव केवल विवि निर्माण तक सीमित नहीं था। 1971 में कैंपस कॉलेज के उद्घाटन के बाद उन्हें पौड़ी छात्र संघ का पहला अध्यक्ष चुना गया, जिसने उनके नेतृत्व कौशल को पहली बार व्यापक मंच प्रदान किया। उनके प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल ने छात्र संघ को नई दिशा दी और युवाओं को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इसके बाद, उन्होंने यंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन पौड़ी, ट्रेड एसोसिएशन पौड़ी, गढ़वाल मंडल बहुउद्देशीय सहकारी समिति पौड़ी और नगर परिषद पौड़ी जैसे संगठनों की अध्यक्षता की, जिससे उनका प्रभाव और व्यापक हुआ। कुंज बिहारी नेगी का व्यक्तित्व इतना प्रेरणादायी था कि उत्तर प्रदेश के कद्दावर नेता हेमवती नंदन बहुगुणा जैसे दिग्गज भी उनके करीबी थे। हालाँकि, विधायक या सांसद बनने का सौभाग्य उन्हें नहीं मिला, लेकिन उनकी लोकप्रियता और प्रभाव ने कभी कमी नहीं देखी। उनकी भूख हड़तालों, जेल यात्राओं और सामाजिक आंदोलनों में भागीदारी ने उन्हें जनता का सच्चा नेता बनाया। लगभग सौ दिनों की भूख हड़ताल, दो सौ जेल यात्राएँ और दस हजार से अधिक युवाओं को रोजगार दिलाने में उनकी भूमिका उनके सामाजिक दायित्व और समर्पण का जीवंत प्रमाण है।

आज, जब हम उन्हें अंतिम विदाई दे रहे हैं, हमारा हृदय दुख और गर्व से भरा है। दुख इस बात का कि एक अच्छा सामाजिक कार्यकर्ता हमारे बीच नहीं रहा, और गर्व इस बात का कि उनकी विरासत गढ़वाल विश्वविद्यालय और पौड़ी के प्रत्येक कोने में जीवित रहेगी। कुंज बिहारी नेगी का जीवन एक प्रेरणा है। उन्हें पुन: नमन! ■■■

SUBSCRIBE

संपादकीय

लेना होगा सबक...

रुद्रप्रयाग बस हादसे ने एक बार फिर हमारे प्रदेश में बरसात की दुरूह स्थितियों आपदा राहत कार्यो की पोल पूरे देश के सम्मुख खोल दी है, जब एसडीआरएफ समेत तमाम राहत दलों द्वारा सर्च ऑपरेशन किए जाने के बावजूद अलकनंदा नदी में घोलतीर के निकट समाई बस के लापता यात्रियों के शव तक बरामद नहीं किए जा सके हैं।

इस बस हादसे से पूरा प्रदेश सहम गया। हादसे में अभी भी 7 यात्रियों की कोई खबर नहीं है, जिनकी तलाश में राहत-बचाव दल जुटे हुए हैं। तलाश कर रहे कर्मी भी उफनती नदियों में जान हथेली में लेकर सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं।

अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आखिर घोलतीर हादसे का सटीक कारण क्या रहा? ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर आखिर इतनी वाहन दुर्घटनाएं क्यों हो रही हैं? वही हाल रुद्रप्रयाग-केदारनाथ राजमार्ग का भी है। जिस रफ्तार से दुर्घटनाएं हो रही हैं, उससे स्पष्ट है कि सड़क-सुरक्षा से जुड़े नियमों के प्रति परिवहन विभाग, पुलिस, पर्यटक और आम आदमी भी लगातार बेपरवाह बना हुआ है। ये बेपरवाहगी ही लगातार दुर्घटनाओं को न्योता दे रही है और मानव संसाधन बिना वजह काल के ग्रास में समा रहा है।

जीवन का सफर कोई भी हो, उसके लिए सुरक्षा के दृष्टिकोण से एहतियात बरतना जरूरी हो जाता है। हर बात में गहराई को समझना और अधिक जरूरी है। मसलन; रिश्तों की गहराई को समझने के लिए जीवन मूल्यों, विश्वास, प्रेम, दृढ़संकल्प, समर्पण तथा तार्किक ढंग से अभिव्यक्ति और समझ बेहद जरूरी होती है। इसी तरह, पहाड़ों की वादियों में आनन्द की अनुभूति के लिए हम चले तो आते हैं, लेकिन उसकी प्रकृति को गहराई से समझे-जाने बगैर।

घोलतीर में हुई दुर्घटना के अधिसंख्य शिकार राजस्थान के निवासी रहे। इससे पूर्व भी कई-कई दुर्घटनाओं में भारत के विभिन्न हिस्सों से उत्तराखंड में घूमने या दर्शनों के लिए आने वाले यात्री दुर्घटनाओं में हताहत हो गए। केदारनाथ की आपदा में तो हजारों लोग असमय हताहत हो गए। तब भी जिम्मेदारी लेने के लिए कोई तैयार नहीं था। सूबे के मुख्यमंत्री तक नहीं। आज भी हाल वही है। आपदा प्रबंधन से लेकर यात्रा प्रबंधन तक सब भगवान भरोसे ही तो चल रहा है।

हम पुराने हादसों से आखिर सबक लेने की स्थिति में क्यों नहीं हैं? यात्रा उत्तराखंड की आर्थिकी का एक मजबूत स्तंभ है। यहां यात्रा सदियों से चली आ रही है। यात्रा के पर्यटन और तीर्थाटन के स्वरूप को अलग-अलग तरीके से समझने की जरूरत है। उस स्वरूप को बचाया जाना चाहिए। इसे बचाने के लिए आम आदमी के जान की कीमत तो समझनी ही होगी। ■■■

तबेले में बंधी बंधुआ पत्रकारिता

मुकेश प्रसाद बहुगुणा

पत्रकारों की जमात द्वारा तरनतारन (पंजाब) की एक गौशाला में बरसों से बंधुआ मजदूर बना कर रखे युवक को छुड़ाए जाने का श्रेय अपने अपने मालिक को दिया जा रहा है।

एक पत्रकार के अनुसार ये कार्य गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने किया है, तो दूसरा पत्रकार इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को श्रेय दे रहा है। सरकारी भक्त पत्रकारों के अलावा कुछ निजी भक्त पत्रकार भी हैं। जो इस कार्य को खानपुर विधायक उमेश कुमार का कारनामा साबित कर रहे हैं।

मालिक के तबेले में बंधे इन पत्रकारों में से किसी ने तरनतारन की

सामाजिक संस्था 'रतन देवा सोसाइटी' और संस्था के कार्यकर्ता सरदार जगजीत सिंह को वो श्रेय नहीं दिया जिसके वो हकदार हैं और इनमें से किसी ने यह जानने और बताने की जरूरत ही नहीं समझी कि उस गौशाला का मालिक/ मैनेजर कौन है? क्या वह किसी बड़े आदमी का नजदीकी है? या स्वयं ही कोई बड़ा आदमी है?

बंधुवा मजदूर सिर्फ वो लाचार गरीब लोग ही नहीं होते जो किसी के खेत, घर, दुकान में काम करते हैं... समाज में सभ्य इलीट समझे जाने वाले पत्रकार भी बंधुआ होते हैं। कोई बड़े तबेले में बंधा है तो कोई छोटे तबेले में। ये इतने ही आजाद हैं जितने तबेले के पशु। सुबह चरने निकल जाते हैं, शाम को पेट भर चरने के बाद वापिस अपने तबेले में और इन्हें बंधुआ पत्रकारिता से कोई भी व्यक्ति-संगठन मुक्ति नहीं दिला सकता, क्योंकि इन्हें अपने गले में बंधे पट्टे पर गर्व जो है गर्व से गाते भी हैं-तुम्हें जिंदगी के मेले मुबारक, तबेले हमें तो रास आ गये हैं। ■■■

आत्महत्या: बैंक ऋण अदा न कर पाने की मजबूरी

हरिमोहन 'मोहन'

पिथौरागढ़ जिलांतर्गत डोल डूंगरी गांव के किसान की हालिया आत्महत्या पहली नहीं, उत्तराखंड की दूसरी ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना है जिसमें एक किसान ने बैंक ऋण न चुका सकने के कारण आत्महत्या कर ली।

पिथौरागढ़ जिले की बेरीनाग तहसील में पुराना थल क्षेत्र के डोल डूंगरी ग्राम निवासी 60 वर्षीय किसान सुरेंद्र सिंह ने गुरुवार, 15 जून की रात्रि में बैंक ऋण न चुका पाने की विवशता में जहर पीकर आत्महत्या कर ली।

उन्होंने ग्रामीण बैंक की बेरीनाग शाखा से 50 हजार और साधन सहकारी समिति बलगड़ी से 75 रु. का कृषि ऋण लिया था जिसकी अदायगी वे सूखे से फसल चौपट होने के कारण नहीं कर सके। ग्रामीण बैंक से वसूली नोटिस आने से घबरा कर सुरेंद्र सिंह ने खुदकुशी कर ली।

उत्तराखंड में बैंक ऋण अदा न कर पाने की मजबूरी में किसानों की आत्महत्या का यह दूसरा मामला है।

इससे पहले 28 दिसंबर, 2013 को नैनीताल जिले में मल्ला ओखलकांडा निवासी किसान जीतसिंह बोरा ने बैंक ऑफ बड़ौदा से नगदी फसलों के लिए दो लाख रुपए का ऋण न चुका पाने के कारण विषपान कर आत्महत्या कर ली थी।

जीतसिंह मटर, गोभी, आलू आदि नगदी फसलें उगाते थे। जाड़ों में अधिक वर्षा तथा कई दिनों तक धूप न खिलने से उनकी सारी फसल सड़ गई, इससे उन्हें भारी नुकसान पहुंचा और वे बैंक से लिए गए कर्ज की अदायगी नहीं कर सके। उधर ली गई रकम पर ब्याज बढ़ता गया। बैंक से वसूली का नोटिस आने पर हताशा में जीतसिंह ने आत्मघाती कदम उठाया।

इन दो दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के कारण उत्तराखंड भी देश के उन राज्यों में शामिल हो गया है जहाँ के अभावग्रस्त हतभाग्य किसान आत्महत्या करने को मजबूर हैं। ■■■

लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अलोकतांत्रिक संचालन

इंद्रेश मैखुरी

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव समय पर न कराने, पांच साल के लिए चुने गए पंचायत प्रतिनिधियों को कार्यकाल खत्म होने के बाद छह महीने तक प्रशासक नियुक्त करने, छह महीने के बाद पुनः छह महीने के लिए अध्यादेश लाकर चुनाव टालने की कोशिश करने जैसे तमाम कामों ने सिद्ध किया कि उत्तराखंड की पुष्कर धामी के नेतृत्व वाली सरकार का त्रिस्तरीय पंचायतों के चुनाव के प्रति भारी अवज्ञा और बेरुखी का भाव है।

73 वें संविधान संशोधन के तहत गठित होने वाली पंचायतों में जिस तरह से शक्तियों के विकेंद्रीकरण की व्यवस्था है, भाजपा और उसकी सरकार ने इस उद्देश्य के प्रति भी भरपूर अवहेलना भाव प्रदर्शित किया है।

पंचायतों में चकरानुक्रम (रोटेशन) में लागू किये जाने वाले आरक्षण का रोस्टर तैयार करने में भरपूर मनमानी की गयी। फिर आपत्तियों के निस्तारण में इस मनमानी को जारी रखा गया। चमोली जिला इस मनमानी का मॉडल है, जहां आपत्तियों की सुनवाई के बाद भी आरक्षण वैसा ही रहा, जैसा पूर्व में प्रशासन ने तय कर दिया था।

2025 में होने वाले ये चुनाव, 2011 की जनगणना के आधार पर होने वाले हैं, यह भाजपा के राष्ट्रीय स्तर के नकारेपन का प्रतीक हैं, जिसने दस साल में अनिवार्य रूप से होने वाले जनगणना को चौदह साल बाद भी नहीं करवाया।

जब आपत्तियों के निस्तारण में हुई मनमानी के खिलाफ लोग उच्च न्यायालय चले गए तो चुनाव घोषित कर दिये गये। यानि न तो खुद लोगों की सुनवाई करेंगे और अदालत में लोगों के मसले सुने जाने का अवसर भी नहीं देंगे। जब काम न करना हो, तो सरकारी बहाना होता है कि मामला अदालत में है। जब मनमानी करनी हो तो कहिये कि मामला अदालत में हुआ तो क्या, कुछ भी करने पर स्टे तो है नहीं !

जब सामान्य स्थितियां थी, तब चुनाव करवाया नहीं, अब घनघोर बारिश के बीच चुनाव कार्यक्रम जारी करवा कर कह दिया गया है कि आंधी हो, तूफान हो, बारिश हो, भू स्खलन हो, जैसे भी हो, जाओ चुनाव लड़ लो!

समय पर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव न कराने से लेकर तमाम आपत्तियों के बीच चुनाव करवाने की कोशिश तक, यह जो मनमानी है, वही एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अलोकतांत्रिक तरीके से संचालित करने का प्रयास है, इस अलोकतांत्रिक प्रवृत्ति को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। ■■■

बन जाओ तेज धार

डॉ. अतुल शर्मा

सुन नहीं सकना
और समझ नहीं सकना
मजबूरी है।

सुनना नहीं चाहना
और समझना नहीं चाहना
चालाकी है।

समझ की नदी के बीच खड़े जिंदा लोगों
समझो और बदल डालो
समझ का प्रवाह
प्रवाह के विरुद्ध
चलना और बोलना
मजबूरी है।

चालक हवाओं को
उखाड़ देना
इसी वक्त जरुरी है।

वक्त फिर नहीं आता
बार बार
बन जाओ एक बार
तेज धार
और हमेशा बने रहो ■■■

आपकी प्रतिक्रिया का हमें इंतजार है।
अपनी प्रतिक्रिया इस पते पर भेजें।

9412079290, 7037548484

regionalreporter81@gmail.com

श्री कम्यूनिकेशन के लिए गंगा असनोड़ा थपलियाल द्वारा 15 फालतू लाईन, समय साक्ष्य देहरादून से मुद्रित एवं 76, अपर बाजार श्रीनगर से प्रकाशित।
न्यायिक क्षेत्र : श्रीनगर गढ़वाल
संस्थापक संपादक : स्व. बी. शंकर
सलाहकार: वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली
संपादक : गंगा असनोड़ा थपलियाल
विशेष प्रतिनिधि : उमा घिल्डियाल
स्टेट ब्यूरो : भारती जोशी
विशेष प्रतिनिधि (गैरसैण) :
भैरव दत्त असनोड़ा

कार्यालय : श्री कम्यूनिकोशन 76, अपर बाजार, श्रीनगर गढ़वाल-246174
आर.एन.आई.न.-
UPHIN/1999/863

शुभांशु शुक्ला आईएसएस पहुंचने वाले दूसरे भारतीय बनें

विशेष संवाददाता

भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में कदम रखाकर भारत के अंतरिक्ष अभियान को एक नई ऊंचाई दी है। शुक्ला 41 वर्ष बाद राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में रवाना होने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। इससे पूर्व 1984 में राकेश शर्मा ने 'सोयूज टी-11' के जरिए अंतरिक्ष की यात्रा की थी, तब से लेकर अब तक भारत ने इस क्षेत्र में कई तकनीकी सफलताएं प्राप्त कीं, परंतु कोई भारतीय दोबारा मानवयुक्त मिशन में शामिल नहीं हो सका।

'रियलाइज द रिटर्न' थीम पर आधारित एक्सिओम-4 मिशन की शुरूआत 25 जून, 2025 को फ्लोरिडा स्थित नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से हुआ जिसमें वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला (पायलट), अमेरिका के पेगी व्हिटसन (मिशन कमांडर), हंगरी के तिबोर कापु (मिशन स्पेशलिस्ट) और पौलेंड के स्लावोश उजनान्स्की (वैज्ञानिक) को स्पेस-एक्स के फाल्कन-9 रॉकेट के जरिए भेजा गया।

भारतीय समयानुसार गुरुवार शाम 5:44 बजे शुक्ला और उनके साथियों ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में प्रवेश किया। जैसे ही स्पेसएक्स का 'क्रू ड्रैगन' अंतरिक्ष स्टेशन के हार्मनी मॉड्यूल से जुड़ा, वहां पहले से मौजूद वैज्ञानिकों और यात्रियों ने पूरे दल का गर्मजोशी से स्वागत किया।

शुक्ला ने आईएसएस से भेजे अपने संदेश में कहा-"वह सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण की स्थितियों में एक बच्चे की तरह रहना सीख रहे हैं और जब ड्रैगन अंतरिक्ष यान अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से जुड़ने की अपनी यात्रा में पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा था तो निर्वात में तैरना एक अद्भुत अनुभव था।"

आगामी 14 दिनों तक चलने वाले मिशन के दौरान 60 प्रयोग करेंगे जाएंगे, जिनमें मानव मांसपेशियों की प्रतिक्रिया, माइक्रोग्रैविटी में डिजिटल स्क्रीन के प्रभाव पर अध्ययन, बायोलॉजी, इंसुलिन प्रबंधन, सेलुलर अध्ययन और तकनीकी परीक्षणों पर काम होंगे। एक्सिओम-4 का उद्देश्य पृथ्वी की कक्षा में एक स्थायी निजी अंतरिक्ष स्टेशन की नींव रखना है। ■■

गढ़वाल विवि के पूर्व मानव विज्ञान विभागाध्यक्ष पीसी जोशी का निधन

रीजनल रिपोर्टर ब्यूरो

दिल्ली विवि में लंबे समय तक कार्यवाहक कुलपति तथा हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के मानव विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. पीसी का निधन हो गया है। दिल्ली विवि के शिक्षकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के साथ ही गढ़वाल विवि के शिक्षकों ने भी प्रो. पीसी जोशी को मौन व्रत रखकर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने कहा कि प्रो. जोशी शिक्षकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों की पीड़ा समझने वाले कुलपति थे। अपने अल्प कार्यकाल में ही उन्होंने ऐसे कार्य किए जिसके लिए दिल्ली विवि का शिक्षक समुदाय उन्हें कभी भूल नहीं सकता।

इस अवसर पर मानव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं डीन सोशल साइंसेज प्रो. एच.बी.एस चौहान की अध्यक्षता में आयोजित शोक सभा में प्रो. पीसी जोशी के मानव विज्ञान में दिए गए योगदान की चर्चा एवं याद किया गया।दिल्ली विश्वविद्यालय में उनके कुलपति पद पर रहते हुए कार्यों की प्रशंसा की गई।

इस अवसर पर प्रो. विद्या सिंह चौहान, डॉ.अरविंद दरमोड़ा, डॉ. मोहन पंवार, डॉ.अजय पाल नेगी, प्रो.डी.आर.पुरोहित, डॉ. हरिश वशिष्ठ, कुलदीप उनियाल, प्रो. किरण डंगवाल, डॉ. सुरेश भट्ट, डॉ. भरत पटवाल, डॉ. सुमन गुसाईं, डॉ. रेवती गैरोला, डॉ.जय प्रकाश पंवार आदि ने प्रो. पीसी जोशी को श्रद्धांजलि दी। ■■■

बदरीनाथ में इको टूरिज्म टोल बैरियर की शुरूआत

चारधाम यात्रा 2024 की सफलता के बाद आयोजित समीक्षा बैठक में बदरीनाथ के थानाध्यक्ष ने एक बड़ी समस्या की ओर ध्यान दिलाया-मैनुअल टोल वसूली से ट्रैफिक जाम और समय की बर्बादी। नगर पंचायत बदरीनाथ ने डीएम कार्यालय के माध्यम से एनएचएआई से मंजूरी प्राप्त की। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद 'पार्क प्लस' कंपनी को डिजिटल शुल्क प्रणाली लागू करने का कार्य सौंपा गया। 2025 की यात्रा के शुरू होते ही पार्क प्लस ने कठिन मौसम और ऊंचाई की चुनौतियों के बावजूद टोल बैरियर स्थापित कर दिया। यह बैरियर समुद्रतल से करीब 10,000 फीट की ऊंचाई पर है, जिससे यह देश का सबसे ऊँचा ईको टोल बैरियर बन गया है। ■■■

कांवड़ यात्रा को लेकर पौड़ी मुख्यालय में बैठक

रीजनल रिपोर्टर ब्यूरो

आगामी कांवड़ यात्रा को सुचारु और सुरक्षित रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से पौड़ी मुख्यालय में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए नवनियुक्त डीएम स्वाति एस. भदौरिया ने समस्त संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि 5 जुलाई 2025 तक सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएं, जिससे श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रियों के लिए निर्धारित पैदल मार्गों की समयबद्ध मरम्मत की जाए और आवश्यकतानुसार वैकल्पिक मार्गों की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

इसके अलावा उन्होंने मुख्य सड़कों पर पैचवर्क का कार्य भी समय से पूरा करने को कहा, ताकि यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो।

साथ ही उन्होंने कहा कि यात्रा मार्ग पर वृहद सफाई अभियान चलाया जाएगा। सभी शौचालयों की नियमित सफाई, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, जल कनेक्शन एवं जल टैंकरों की व्यवस्था भी समय पर सुनिश्चित की जाएगी। जहां हैंडपंप काम नहीं कर रहे हैं, वहां वैकल्पिक व्यवस्थाएं की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, अस्थायी नल कनेक्शन हेतु जल संस्थान को और जल टंकियों में वोल्टेज की समस्या के समाधान हेतु विद्युत विभाग को निर्देश दिये गये।

रात्रिकालीन व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी ने जिला पंचायत, उरेडा एवं वन विभाग को स्ट्रीट लाइट की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। साथ ही पुलिस को घाटों पर सुरक्षाकर्मियों और जिला पंचायत को कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था संभालने के निर्देश दिये गये। ■■■

क्रिस्टी कोवेंट्री बनी आईओसी की नई अध्यक्ष

खेल जगत में एक नया इतिहास रचते हुए जिम्बाब्वे की पूर्व ओलंपियन तैराक क्रिस्टी कोवेंट्री को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति का नया अध्यक्ष चुना गया है। वह इस पद तक पहुँचने वाली पहली महिला और पहली अफ्रीकी बनी हैं। उन्होंने जर्मनी के थॉमस बाख का स्थान लिया, जिन्होंने 12 साल तक आईओसी की कमान संभाली। खेलों में लैंगिक समानता और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व की दिशा में इसे एक बड़ा और प्रतीकात्मक कदम माना जा रहा है।

आईओसी की नई अध्यक्ष बनने के बाद कोवेंट्री ने कहा, "मैं नेतृत्व को किसी व्यक्तिगत शक्ति की तरह नहीं, बल्कि एक साझेदारी की तरह देखती हूं। ओलंपिक आंदोलन अब एक ऐसे मोड़ पर है, जहाँ संवाद, पारदर्शिता और एकजुटता ही आगे का रास्ता हैं।" ■■■

कोर्ट से पंचायती चुनाव को मिली हरी झंडी

स्टेट ब्यूरो

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव पर लगाए गए स्टे को 23 जून को वापस ले लिया है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ ने यह स्पष्ट किया कि चुनाव अब सामान्य प्रक्रिया के तहत 25 जून से आगे बढ़ाए जा सकते हैं।

कोर्ट ने यह निर्देश भी दिया कि चुनाव आयोग पूर्व निर्धारित कार्यक्रम से तीन दिन आगे का नया शेड्यूल जारी करे।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से ब्लॉक और जिला पंचायत स्तर पर सीटों के आरक्षण में अनियमितताओं की बात उठाई गई। विशेष रूप से देहरादून के डोईवाला ब्लॉक का उल्लेख किया गया, जहां ग्राम प्रधानों की 63 प्रतिशत सीटें आरक्षित बताई गई हैं। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि आरक्षण रोस्टर में कुछ वर्गों को लगातार प्रतिनिधित्व मिल रहा है, जो संविधान के अनुच्छेद 243 और सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के विरुद्ध है।

लगभग 40 याचिकाएं दाखिल हुई जिन्हें मूल याचिकाओं-गणेश दत्त कांडपाल और बीरेंद्र सिंह बुटोला की याचिकाओं के साथ जोड़कर सुना गया। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता शोभित सहारिया, आदित्य सिंह, अनिल कुमार जोशी, योगेश पचौलिया, जितेंद्र चौधरी और शक्ति सिंह ने अपने-अपने तर्क प्रस्तुत किए। कोर्ट ने साफ किया कि वह सभी याचिकाओं को मेरिट के आधार पर सुनेगा।

राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता और मुख्य स्थायी अधिवक्ता ने पक्ष रखते हुए बताया कि पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट के बाद नया आरक्षण रोस्टर तैयार किया गया है और इसे पहले चरण के रूप में मानना आवश्यक है। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह याचिकाकर्ताओं द्वारा उठाए गए बिंदुओं पर तीन सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करे।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि यदि किसी उम्मीदवार को आरक्षण या चुनावी प्रक्रिया को लेकर कोई आपत्ति है, तो वे सीधे कोर्ट में अपना पक्ष रख सकते हैं। ■■■

गैरसैण:20 से 28 जून तक इजुकेशनल समर कैम्प

अभिषेक रावत

शुक्रवार 20 जून, 2025 को नगर पंचायत गैरसैंण की ओर से शैक्षणिक समर कैंप की शुरुआत नगर पंचायत के के सभागार में की गई। इस कैंप का शुभारंभ नगर पंचायत गैरसैण के अध्यक्ष मोहन भंडारी एवं सभासद गणों द्वारा किया गया। इसके माध्यम से बच्चों को मुख्यतः शास्त्रीय संगीत एवं लोग गायन, चित्रकला एवं वॉल पेंटिंग, उत्तराखण्ड के पारंपरिक लोकनृत्य कला, योग अभ्यास के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की गतिविधियां सिखाई गई, जिसके लिए देहरादून से संगीत की शिक्षा प्राप्त कर रहे आयुष राजवान एवं आर्यन, चित्रकला एवं पेंटिंग के लिए अमन सिंह, लोक नृत्य कला के लिए सुहानी नेगी के साथ अन्य सदस्यों ने बच्चों को कलात्मक व रचनात्मक चीजें सीखाई। कैम्प के अंतिम दिन 28 जून को विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी।

इस समर कैंप में गैरसैंण नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न वार्डों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस कैंप का आयोजन किए जाने के संबंध में मोहन का कहना है कि इस समर कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों को एक संरचित और मजेदार वातावरण में सीखने, बढ़ने और नए कौशल विकसित इसके साथ ही यह बच्चों को उनके आरामदायक क्षेत्र से बाहर निकलने, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता बढ़ाने, और सामाजिक संपर्क में मददगार होगा। ■■■

बाएं हाथ के स्पिनर दिलीप दोशी का निधन

बाएं हाथ के स्पिनर जिन्होंनें 70 के दशक की स्पिन विरासत को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई क्रिकेटर दिलीप दोशी का लंदन में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 77 वर्ष के थे। उन्होंने क्रिकेट को केवल खेल नहीं, बल्कि सोच और रणनीति की लड़ाई माना।

दिलीप दोशी ने 1979 में 32 वर्ष की उम्र में भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने अश्वस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई टेस्ट में अपने पहले ही मैच में 6 विकेट लेकर खुद को साबित कर दिया। अपने टेस्ट करियर में उन्होंने 33 मैचों में 114 विकेट लिए, जिनमें 6 बार पांच या उससे अधिक विकेट शामिल रहे। उन्होंने मात्र 28 टेस्ट में 100 विकेट पूरे करने का कारनामा किया था, जो अब तक केवल कुछ गिने-चुने गेंदबाज ही कर पाए हैं।■■

2025-26 REGISTRATION NOW OPEN FOR GRADE 11

The best school in the town with professional service

ABOUT US

The school comes with an uncompromising commitment. It aims to achieve specific measurable observable and quantitable results among all aspirants/students because the school has a vision to provide value based education to young minds and provide a dynamic learning environment.

OUR FACILITIES

The School Provide All Basic Facilities Each Student. Indoor And Outdoor Sports Are Provided By School.

- Composite Science Lab
- Physics Lab
- Chemistry Lab
- Biology Lab
- Maths Lab
- Computer Science Lab
- Home Science Lab
- Library
- Other Rooms

Streams offered:

- Humanities
- Commerce
- Science

Grade Nursery to 12th

Visit our facebook page or website for more
https://www.facebook.com/shemfordSrinagar
srinagar-garhwal.shemford.com

Call To find out more
9568450335, 7895938233

Email
srinagar@shemford.com